

छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
जनता से रिश्ता
₹375/-
में अखबार बुक करें
तीन माह का पेपर एवं
9 फीट वाला गार्डन अम्ब्रेला
मुफ्त पायें
Mo. 7000428400, 7000481460

इस हफ्ते खूब रोमांटिक रहेंगे इन 5 राशियों के लोग, बरसेगा प्रेम



नवग्रहों में ऐश्वर्य, धन और प्रेम के स्वामी ग्रह शुक्र ने 10 मई से मेघ राशि में प्रवेश कर लिया है। शुक्र को वृष और तुला राशि का स्वामी माना जाता है। यह ग्रह आपका जीवन और प्रेम संबंधों में खुशियां भरनेवाला ग्रह है। दूसरी ओर इस सप्ताह के मध्य सूर्य भी राशि परिवर्तन करके शुक्र की राशि वृष में आ रहे हैं। आइए, जानते हैं इस बदली ग्रह दशा में कैसी रहेगी आपकी लव लाइफ़बता रही है।

ऐस्ट्रॉलॉजर और टैरो कार्ड एक्सपर्ट नदिता पाण्डेय
मेघ: प्रेम बरसेगा पर खालीपन लगेगा-इस सप्ताह आपकी लव लाइफ़वैसा तो रोमांटिक है फिर भी एक खलिशा-सी रहेगी। प्रेम संबंध में प्रगटता बढ़ेगी। फिर भी आपको लगेगा कि कुछ कमी है, शायद प्रेम संबंधों में और गहराई चाहिए। यही विचार आपके अंदर आंतरिक अशांति बढ़ा सकता है, जिसका असर आपको सप्ताह के अंत में अधिक दिखाई पड़ सकता है।

मिथुन: जीवन में प्रेम भरपूर रहेगा-इस सप्ताह प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे एवं आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आपके साथी आपको काफी अहमियत भी देंगे एवं जीवन में प्रेम भरपूर रहेगा। सप्ताह के अंत में किसी व्यक्ति विशेष की मदद से स्थितियां और बेहतर होती जाएंगी।

कर्क: प्रेम संबंध में बना रहेगा सुकून-प्रेम संबंध में सुकून एवं सुख शांति बनी रहेगी। अगर प्रेम विवाह के बारे में विचार कर रहे हैं तो अपनी प्रेम यात्रा में विजय प्राप्त करेंगे। जीवन में सुख शांति प्राप्त करेंगे। महिला वर्ग की विशेष मदद द्वारा आपकी लव लाइफ़में चार चांद लग जाएंगे।

सिंह: सुखबूझ से सुलझाएं आपसी अनबन-यह सप्ताह आपने प्रेम संबंध को सुखबूझ द्वारा सुलझाने का है। छोटी-सी बात भी दिल को चुभ सकती है एवं मानसिक कष्ट पहुंचा सकती है। अपने पार्टनर के साथ किसी भी प्रकार की आउटिंग एवं यात्राओं को इस सप्ताह टाल दें तो बेहतर होगा। सप्ताह के अंत में भविष्योन्मुखी होकर निर्णय लेने से जीवन में सुकून आएगा।

कन्या: आपके लिए रोमांस का सप्ताह है यह-यह सप्ताह रोमांस का है, जीवन में खुशियां दर्स्तक देंगी एवं अपने जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने फिरने के प्लान भी बना सकते हैं। ये भी मुमकिन है कि अगर आप सिंगल हैं तो किसी यात्रा के दौरान आपको अपने भावी साथी से मुलाकात के अवसर मिल जाएं। प्रेम संबंध में की गई एक नई शुरुआत आपके जीवन में सुकून लेकर आएगी।

तुला: वक के साथ बढ़ता रहेगा रोमांस-जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, जैसे-जैसे लव लाइफ़ में धीरे-धीरे रोमांस बढ़ेगा। सुख और शांति की स्थितियां बनने लगेंगी। हालांकि सप्ताह के अंत में किसी बात को लेकर मन चिंतित रह सकता है। आपको लग सकता है कि आपको उतनी तलज्वोह नहीं मिल रही है, जिसके आप हकदार हैं। मन में नकारात्मकता न आने दें।

वृश्चिक: महिला वर्ग के सर्पाट से खुशियां-इस सप्ताह महिला वर्ग के सर्पाट से प्रेम संबंध में प्रगटता आएगी। बढ़ते वक के साथ जीवन में सुख शांति प्राप्त होगी। अपनी लव लाइफ़ को लेकर आप काफी इकसायट और एनर्जी से भरपूर रहेंगे। सप्ताह के अंत में दिल को सुकून पहुंचाने वाला है।

धनु: लाइफ़ खुशियों से भरी हुई रहेगी-प्रेम संबंध में सुख शांति प्राप्त होगी। लाइफ़खुशियों से भरी हुई रहेगी। आप अपने साथी के साथ किसी प्रॉपर्टी आदि की खरीदने में रुचि ले सकते हैं या फिर अपने घर की साज-सज्जा में बदलाव लाने की सोच सकते हैं। सप्ताह के अंत में हालांकि भावनात्मक कारणों से मानसिक कष्ट हो सकता है।

मकर: दायेंप जीवन में बना रहेगा सुख-प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे एवं जीवन में खुशियां दर्स्तक देंगी। संतान संबंधित सुख प्राप्त होगा। सप्ताह के अंत में पुरानी यादें ताजा होंगी एवं सुख शांति का माहौल बना रहेगा।

तुलसी के पास भूलकर भी न रखें ये 5 चीजें बढ़ जाती है आर्थिक परेशानी

तुलसी यू तो एक पौधा है लेकिन हिंदू धर्म में इन्हें देवी लक्ष्मी के समान ही पूजनीय माना जाता है। भगवान विष्णु की पत्नी वृंदा मानकर देवप्रवोधिनी एकादशी के दिन तुलसी और शालिग्राम का विवाह करवाने की भी हमारे यहां परंपरा है। शास्त्रों के अनुसार जिन घरों में तुलसी का पौधा हरा भरा रहता है उस घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। भगवान विष्णु की पूजा और प्रसाद में तो तुलसी का पत्ता होना सबसे जरूरी माना जाता है क्योंकि इनके बिना पूजा अपूर्ण मानी जाती है। इन्हीं कारणों से सभी हिंदू परिवार में तुलसी का पौधा जरूरी होता है। अगर आपके घर में भी तुलसी है तो सुख-शांति और समृद्धि के लिए तुलसी के आस-पास इन 5 चीजों को ना रखें।

तुलसी के पास न हो ऐसा
ध्यान रखें कि तुलसी का पौधा जहां हो वहां आस-पास की जगह एकदम साफ-सुथरी रहनी चाहिए। अगर तुलसी सूख रही है या फिर मुरझा रही है तो इसकी वजह अशुद्धता हो भी सकती है। इसलिए हर दिन तुलसी के पास-पास की जगह को साफ करना चाहिए। गांवों में आज भी महिलाएं हर दिन तुलसी के आस-पास गाय के गोबर और मिट्टी से लोपा करते हैं।

तुलसी के पास न रहे यह वस्तु
तुलसी के पौधे के पास झाड़ू या जूता-चप्पल नहीं होना चाहिए। बहुत से लोग तुलसी के पौधे के साथ अन्य फूल पतियों के पौधे लगा देते हैं जो ठीक नहीं हैं। तुलसी जिस गमले में लगाए उसमें कोई अन्य पौधा लगाना ठीक नहीं होता है। इससे तुलसी का विकास समुचित नहीं हो पाता है और वह सूखने लग जाती है। जल में दूध मिलाकर तुलसी को जल देने से तुलसी स्वस्थ और हरी भरी रहती है।

रात्रि में न दें जल
कई बार देखा गया है कि शाम के वक्त कुछ लोग



तुलसी के पास दीपक जलाते वक्त जल भी चढ़ाने लगते हैं। शाम के वक्त तुलसी को जल देना अच्छा नहीं माना जाता है। तुलसी में सुबह स्नान के पश्चात ही जल दें। वहीं तुलसी के पास पात्र में भरा

हुआ जल भी नहीं रखना चाहिए। तुलसी को दीप दिखाते हैं तो हर दिन दीप को बुझ जाने के बाद वहां से हटा दें। जला हुआ दीप तुलसी के पास नहीं रखना चाहिए।

बाल खोलकर ना जाएं तुलसी के पास
अक्सर महिलाएं स्नान करके खुले बालों में ही तुलसी को जल देने आ जाती हैं जो गलत है। तुलसी को भगवान विष्णु ने सदा सुहागन रहने का वरदान दिया है और इसके लिए उन्हें अपने सिर पर स्थान प्रदान किया है। सोभाग्य वृद्धि के लिए बालों को बांधकर और मांग में सिंदूर लगाकर तुलसी को जल देना चाहिए। खुले बाल होने पर तुलसी के पौधे पर बाल गिरने और भींगे बालों से जल टपकने की आशंका रहती है जिसे शुभ नहीं माना जाता है।

चुनरी का रखें ध्यान
घरों में तुलसी को चुनरी ओढ़ाकर रखा जाता है। लेकिन इस बात का ध्यान नहीं रखा जाता कि तुलसी की चुनरी काफ़ी पुरानी हो जाती है, फट जाती है। एकादशी या फिर अन्य कोई शुभ दिवस पर तुलसी की चुनरी बदल देनी चाहिए।

नाक हो या गाल, चेहरे के हर हिस्से को चाहिए निखार, इस्तेमाल करें Multi Masking

कहीं टैनिंग से चेहरे का कोई हिस्सा बदरंग हो जाता है तो कभी गालों पर खुले रोमछिद्र, नाक पर ब्लैकहेड्स, आंखों के नीचे काले धब्बे नजर आने लगते हैं। ऐसे में इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप मल्टी-मार्किंग फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन दिनों मल्टीमार्किंग का जमाना है, जो आपके चेहरे की कई समस्याओं को एक साथ सुलझा सकता है। चेहरे के हर हिस्से के लिए अलग-अलग इंटीग्रेटेड्स द्वारा ऐसा मास्क फिट तैयार करें, जिसे कि आप अपने घर पर भी इस्तेमाल कर सकें और चेहरे के हर हिस्से को निखार कर अपनी खूबसूरती को बरकरार रख सकें।

आखिर क्या मल्टी-मार्किंग?
एक ही मास्क आपके चेहरे की सभी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता है क्योंकि स्किन के हर हिस्से को अलग ट्रीटमेंट और प्रॉडक्ट्स की जरूरत होती है। ज्यादातर लोग अपनी झाड़ू, नॉर्मल या ऑयली स्किन टोन के हिसाब से ही फेस मास्क की डिमांड करते हैं लेकिन हमेशा अपनी स्किन टोन ही नहीं, बल्कि स्किन के हर

विटामिन-सी व के का मास्क इसके लिए बिल्कुल सही रहेगा।

टी जोन के लिए मास्क
अगर आई ब्रो के ऊपर का हिस्सा और नाक के आस-पास का हिस्सा बहुत जल्दी ऑयली हो जाता है तो ऑयल सोखने वाला मास्क लगाए। इसके लिए ग्लाइकोलिक एसिड वाला फेस मास्क इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए मुलतानि मिट्टी भी बेहतरािन ऑप्शन है।

माथे, मुंह और नाक के लिए मास्क
तेज धूप में निकलने के कारण मुंह से गले तक त्वचा दो रंगों की हो जाती है। ऐसे में चेहरे की त्वचा की एक समान रंगत के लिए ब्राइटनिंग फॉर्म्युलेशन लगाए। कॉफी और शहद का स्क्रब या ककड़ी और पीपते का मिश्रण घर पर भी बनाए जा सकते हैं।

नैसर्गिक दमक के लिए मास्क
मास्क लगाने के बाद उन्हें 15 मिनट के लिए छोड़ दें और आराम करें। इसके बाद चेहरे को धो लें और शय्यापार चेंडरा सुखाएं। फिर चेहरे पर माइश्राइजर अप्लाई करें।

सावधानी:
अगर मास्क लगाने के बाद आपके चेहरे के किसी भी हिस्से में खुजली या जलन महसूस होने लगे तो उसे तुरंत ही साफ कर लें।



पाट के अनुसार मास्क इस्तेमाल करना चाहिए।

कहीं टैनिंग से चेहरे का कोई हिस्सा बदरंग हो जाता है तो कभी गालों पर खुले रोमछिद्र, नाक पर ब्लैकहेड्स, आंखों के नीचे काले धब्बे नजर आने लगते हैं। ऐसे में इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप मल्टी-मार्किंग फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन दिनों मल्टीमार्किंग का जमाना है, जो आपके चेहरे की कई समस्याओं को एक साथ सुलझा सकता है। चेहरे के हर हिस्से के लिए अलग-अलग इंटीग्रेटेड्स द्वारा ऐसा मास्क फिट तैयार करें, जिसे कि आप अपने घर पर भी इस्तेमाल कर सकें और चेहरे के हर हिस्से को निखार कर अपनी खूबसूरती को बरकरार रख सकें।

आखिर क्या मल्टी-मार्किंग?
एक ही मास्क आपके चेहरे की सभी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता है क्योंकि स्किन के हर हिस्से को अलग ट्रीटमेंट और प्रॉडक्ट्स की जरूरत होती है। ज्यादातर लोग अपनी झाड़ू, नॉर्मल या ऑयली स्किन टोन के हिसाब से ही फेस मास्क की डिमांड करते हैं लेकिन हमेशा अपनी स्किन टोन ही नहीं, बल्कि स्किन के हर

विटामिन-सी व के का मास्क इसके लिए बिल्कुल सही रहेगा।

टी जोन के लिए मास्क
अगर आई ब्रो के ऊपर का हिस्सा और नाक के आस-पास का हिस्सा बहुत जल्दी ऑयली हो जाता है तो ऑयल सोखने वाला मास्क लगाए। इसके लिए ग्लाइकोलिक एसिड वाला फेस मास्क इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए मुलतानि मिट्टी भी बेहतरािन ऑप्शन है।

माथे, मुंह और नाक के लिए मास्क
तेज धूप में निकलने के कारण मुंह से गले तक त्वचा दो रंगों की हो जाती है। ऐसे में चेहरे की त्वचा की एक समान रंगत के लिए ब्राइटनिंग फॉर्म्युलेशन लगाए। कॉफी और शहद का स्क्रब या ककड़ी और पीपते का मिश्रण घर पर भी बनाए जा सकते हैं।

नैसर्गिक दमक के लिए मास्क
मास्क लगाने के बाद उन्हें 15 मिनट के लिए छोड़ दें और आराम करें। इसके बाद चेहरे को धो लें और शय्यापार चेंडरा सुखाएं। फिर चेहरे पर माइश्राइजर अप्लाई करें।

सावधानी:
अगर मास्क लगाने के बाद आपके चेहरे के किसी भी हिस्से में खुजली या जलन महसूस होने लगे तो उसे तुरंत ही साफ कर लें।

हस्तरेखाओं में ऐसे लक्षण करते हैं कैंसर जैसी बीमारी की ओर इशारा

मानव शरीर की रचना इतनी जटिल होती है कि उसमें किसी भी प्रकार की बीमारी न हो ऐसा बहुत ही मुश्किल है। कैंसर उन्हीं बीमारियों में से एक है। आजकल यह बहुत ही सामान्य बीमारी हो चुकी है। ज्योतिषशास्त्र की मानें तो मुख्यतः यह रोग चंद्र और मंगल के कमजोर होने से भी हो सकता है। वहीं हस्तरेखाओं में भी कुछ ऐसे चिह्न बताए गए हैं जिनकी मौजूदगी कैंसर होने की आशंका दर्शाती है।

हाथों के ये लक्षण शुभ संकेत नहीं-यदि व्यक्ति का हाथ दिन प्रतिदिन पतला हो रहा है और हाथ की सारी रेशाएं उभरकर मोटे रूप में नजर आ रही हों तो फौरन सावधान हो जाना चाहिए। यह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है। इस स्थिति में तुरंत चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए।

हृदय रेखा ऐसे टूट जाए-यदि भाग्य रेखा जीवनरेखा के पास हो और वह मोटी हो रही हो, भाग/धरं रेखा को राहुरेखा घेर रही हो, वहीं हृदय रेखा शनि पर्वत के नीचे टूट रही हो तो व्यक्ति को कैंसर होने की आशंका रहती है। इस स्थिति में अन्य गंभीर रोग भी हो सकते हैं।

जीवनरेखा का ऐसा हो जाना-भाग्यरेखा मिटी हुई हो और जीवनरेखा जंगीरकराक हो जाए और टूटने लगे साथ ही मस्तिष्क रेखा के ऊपर वन बने हों और हाथ सख्त व पीला हो तो यह कैंसर के रोग की ओर इशारा करता है।

उंगलियां होने लगे पतली-हाथ की उंगलियां बहुत अधिक लंबी पतली होने लगे और हाथ बिल्कुल भी मांसल न रह जाए तो इस प्रकार से भी कैंसर के रोग की आशंका बनती है।

भाग्यरेखा को मोटी-मोटी रेखाएं काटें-भाग्यरेखा और जीवनरेखा दोनों ही टूट-टूटकर चल रही हों और भाग्य रेखा को मोटी-मोटी रेखाएं काट रही हों तो यह भी अच्छा संकेत नहीं है, इस स्थिति में भी व्यक्ति गंभीर रोग से पीड़ित हो सकता है।

हाथ में सभी ग्रहों की हो यह स्थिति-यदि हाथ में सभी ग्रह दबे हों हाथ लकड़ी सा सख्त, अंगुठा कम खुलता हो, मंगलरेखा और जीवनरेखा टूटी-फूटी हो तो इस स्थिति में भी स्वास्थ्य की अनदेखी से बचना चाहिए।



आजकल आंखों के नीचे काले धेरे यानि डार्क सर्कुल्स की समस्या आम देखने को मिल रही है। अगर आप आंखों के नीचे कोई भी चीज सोच-समझकर लगानी चाहिए क्योंकि यहां की त्वचा नाजुक होती है। ऐसे में

20% मौतों का कारण है गलत डाइट, भोजन में शामिल करें 7 रंग और 6 स्वाद

सेहतमंद और तंदुरुस्त रहने के लिए लोग अपने स्वस्थ खान-पान और अच्छी आदतें अपनाते हैं। मगर बदलती लाइफस्टाइल के साथ लोगों का खान-पान भी बदल चुका है लेकिन क्या आप जानते हैं कि गलत डाइट धूम्रपान से भी ज्यादा खतरनाक है। जी हां, हाल ही में हुए शोध के मुताबिक, आज के समय में लोग किसी ना किसी समस्या से जूझ रहे हैं तो उसका कारण सिर्फ गलत डाइट है। ऐसे में यह जरूरी है कि लोग जंक फूड से बचें और प्लांट बेस्ड आहार को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं।

खराब आहार के कारण होती हैं 20% मौतें -स्टडी 2017 के आंकड़े के मुताबिक, गलत डाइट के चलते दुनियाभर में हर साल लगभग 20% लोग की मौत में चले जाते हैं। ऐसा देखा गया है कि तनावपूर्ण वातावरण लोगों को चटपटा, मसालेदार और जंक फूड आदि खाने के लिए प्रेरित करता है। इससे लोग ज्यादा कैलोरी इन्टैक कर लेते हैं, जो मोटापे के साथ-साथ कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को भी न्योता देता है।

स्वस्थ रहने के लिए स्थूल और सूक्ष्म पोषक तत्वों का सही संतुलन होना बहुत जरूरी है। खाने में 7 रंग और 6 स्वाद को जरूर करें शामिल



एचसीएफआई के अध्यक्ष का कहना है कि, प्राचीन समय में लोग कई तरह के भोजन खाते थे, जिसके कैलोरी इन्टैक कर लेते हैं, जो मोटापे के साथ-साथ कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को भी न्योता देता है। स्वस्थ रहने के लिए स्थूल और सूक्ष्म पोषक तत्वों का सही संतुलन होना बहुत जरूरी है। खाने में 7 रंग और 6 स्वाद को जरूर करें शामिल

शामिल करना जरूरी है। हफ्ते में 1 जरूरी है उप्वास-स्वस्थ रहने के लिए हफ्ते में कम से कम 1 दिन उप्वास करना भी जरूरी है। हालांकि इसका मतलब कुछ भी नहीं खाना नहीं है बल्कि कुछ चीजों को छोड़ना है। व्रत के दौरान आप हल्का-फुल्का खा सकते हैं।

अच्छी तरह चबाएं भोजन-यदि कोई व्यक्ति के कुछ भी खाने के 20 मिनट बाद मस्तिष्क को यह संकेत मिलता है। ऐसे में जरूरी है कि भोजन करते समय आप हर कौर को कम से कम 15 बार तो जरूर चबाएं। यह न केवल एंजाइमों के लिए पर्याप्त हॉर्मोन देता है बल्कि ये मस्तिष्क को संकेत भी भेजता है। भोजन करने के लिए कम से कम 20 मिनट का समय जरूर लगाएं।

पेट नहीं, आकार को भरना है जरूरी-स्वाद कलिकाएं यानी टैट्टे बेड्स केवल जीभ के सिरों और किनारों पर होती हैं। ऐसे में अगर आप भोजन निलाल या जल्दी-नमकीन, कड़वा, चटपटा और कसेला वाला भोजन

पाता। मस्तिष्क को संकेत तभी मिलता है जब पेट 100 प्रतिशत भरा हो। पेट की फुलनेस का आकार तय करता है कि कोई कितना खा सकता है। ऐसे में आपको पेट भरने की बजाए उसके आकार को भरना चाहिए। साथ ही अगर आप कम खाते हैं तो इससे पेट का आकार सिकुड़ जाएगा।

भोजन के बाद तुरंत बाद पानी पीना भी गलत-भोजन के ठीक बाद पानी बिलकुल नहीं पीना चाहिए आयुर्वेद में खाना खाने के बाद पानी पीना जहर माना जाता है। दरअसल, तुरंत पानी पीने से खाना ठीक से नहीं पचता, जिससे आपको एसिडिटी, पेट में सूजन और पेट से संबंधित अन्य बीमारियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए एक्सपर्ट के मुताबिक खाना खाने के 45 मिनट बाद ही पानी का सेवन कीजिए। वैसे अगर आपके गले में खाना अटक रहा है तो आप एक-दो घूंट पी सकते हैं।

भोजन के बाद जरूरी है 20 मिनट की सैर-रिसर्व में साबित हो चुका है कि रात के खाने के बाद 20 मिनट की सैर से ना सिर्फ वजन कंट्रोल में रहता है बल्कि इससे टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी कम होता है। रात के समय चलना दिन की 45 मिनट की

एक्ससाइज या सैर से भी ज्यादा फायदेमंद है। खाने खाने के करीब 15 मिनट की देरी के बाद टहलना चाहिए। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि खाने के तुरंत बाद टहलने से पेट में पाचन की प्रारंभिक क्रिया में देरी हो जाती है। साथ ही खाने के बाद आपको लंबी दूरी के लिए नहीं चलना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा 500 मीटर चल लें।

खाने में इन बातों का रखें ध्यान

- कम खाएं और धीरे-धीरे खाकर अपने भोजन का आनंद लें।
- अपनी थाली को फूल और सब्जियों से भरें।
- आहार में अनाज का कम से कम आधा भाग साबुत अनाज होना चाहिए।
- ट्रांस फैट और चीनी की अधिकता वाले भोजन से बचें।
- स्वस्थ वसा चुनें। वसा रहित या कम वसा वाले दूध और डेयरी उत्पादों का उपयोग करें।
- खुब पानी पीएं। शर्करा युक्त पेय से बचें।
- सॉडियम युक्त आहार जैसे सैंडविच और प्रोसेस्ड फूड्स खाने से बचें।

पूजा के समय क्यों जलाई जाती है अगरबत्ती कौन सी धूप ज्यादा फायदेमंद?

पूजा स्थल घर का वह हिस्सा है, जहां परिवार के सदस्य रोजाना पूजा करते हैं। घर में सुख शांति और समृद्धि के लिए हर कोई अपने घर में छोटा-सा पूजा घर जरूर बनाता है। वास्तु के अनुसार, जहां पूजा रूम से घर में सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है वहीं भगवान के आगे सुबह शाम अगरबत्ती जलाने से भी कई फायदे मिलते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि वास्तु के अनुसार कौन-सी धूप जलाने से क्या फायदा मिलता है।

क्यों जलाई जाती है अगरबत्ती?
मान्यता है कि अगरबत्ती या धूपबत्ती का धुआं घर से नेगेटिव एनर्जी का खत्म करता है। इसके धूप से वातावरण शुद्ध व पवित्र हो जाता है। वहीं अगरबत्ती का धुआं बैक्टीरिया का भी नाश करके आपको सेहतमंद रखता है। वास्तु के अनुसार, सुबह शाम अगरबत्ती जलाने से आर्थिक परेशानी भी दूर होती है। कौन-सी धूप जलाने से मिलता है क्या फायदा-

नीम की पतियों की धूप
अगर घर का वास्तुदोष खराब हो तो घर पर कभी भी शांति नहीं आती है। ऐसे में आप नीम की पतियों की धूप को हफ्ते में एक बार जरूर जलाएं। इससे ना सिर्फ वास्तुदोष खत्म होगा बल्कि घर का वातावरण भी शांत होगा।

केसर की अगरबत्ती
गायत्री केसर से बनी धूप या अगरबत्ती आपको

गुग्गल की धूप अगर आपके घर में अक्सर कलह-कलेश होता रहता है तो नियमित रूप से गुग्गल की धूप जलाएं। इससे माहौल शांत और घर में सकारात्मक ऊर्जा भी आएगी। इसके अलावा इससे घर का माहौल सुगंधित होता है।

पीपल का पेड़
हर शनिवार के दिन शाम के समय में पीपल के पेड़ के नीचे शाम को पानी और धूप जरूर जलाएं। ऐसा करने से घर में धन के रास्ते खुलते हैं।

बाजार में आसानी से मिल जाएगी। यह धूप घर पर किए हुए तंत्र मंत्र को दूर करने के साथ आर्थिक परेशानी को दूर करती है। इस धूप को आप गाय के उपलें के साथ मिलाकर रोज शाम को धूप दें। ऐसा 21 दिनों तक करें।



बाजार में आसानी से मिल जाएगी। यह धूप घर पर किए हुए तंत्र मंत्र को दूर करने के साथ आर्थिक परेशानी को दूर करती है। इस धूप को आप गाय के उपलें के साथ मिलाकर रोज शाम को धूप दें। ऐसा 21 दिनों तक करें।

लोबान की धूप लोबान को सुलगते हुए कड़े या अंगारे पर रख कर जलाया जाता है। लोबान का इस्तेमाल अक्सर मंदिर और दरगाह जैसी जगहों पर होता है। इससे घर में सकारात्मक माहौल बना रहता है।

गुड़-ची की धूप
गुड़-ची की धूप जलाने से मन व दिमाग के तनाव शांत होता है। साथ ही इससे घर में चल रही परेशानियां भी दूर होती हैं। वहीं वीरवार और रविवार को गुड़ और ची मिलकर उसे कड़े पर जलाने से घर में चल रही पैसों की किल्लत दूर होती है।

पीली सरसों की धूप
नकारात्मकता ऊर्जा को भगाने के लिए पीली सरसों, गुग्गल, लोबान, गौघृत को मिलाकर इसकी धूप जलाएं। फिर इसके धुआं को घर में फैला दें। ऐसा 21 दिन तक करें।

पंडित जीकी बातें

आज का पंचांग

राष्ट्रीय मिति वैशाख 25, शक संवत् 1941, वैशाख शुक्ल, एकादशी, बुधवार, विक्रम संवत् 2076। सोर ज्येष्ठ मास प्रविष्टे 01, रमजाना 09, हिजरी 1440 (मुस्लिम) तदनुसार अंग्रेजी तारीख 15 मई सन् 2019 ई।

सुदाकू क्र.-522

5	2	7			
		1	5	9	
8		2	6		
	5		1	6	
7	8				
1		2		3	
	8	6	9	5	
7	6	1	4		
5	4	3	7		

सुदाकू क्र.-521 का हल

5	9	2	7	3	6	8	1	4
3	6	7	1	4	8	5	9	2
8	1	4	5	9	2	3	6	7
9	2	5	3	7	4	1	8	6
6	7	3	8	5	1	4	2	9
1	4	8	6	2	9	7	5	3
4	8	1	2	6	7	9	3	5
7	3	6	9	1	5	2	4	8
2	5	9	4	8	3	6	7	1

1 से 9 तक अंको से छूटे हुए स्थानों को पूर्ण करें। किसी भी तरफ की गणना में जोड़ बराबर होना चाहिए।